PRATHAM BOOKS
A Book in Every Child's Hand

पठन स्तर ४

मैं मोटरसाइकिल चलाऊँगी

Author: Aarthi Parthasarathy
Illustrator: Rai
Translator: Sandhya

यह है दिया।
आठ साल की उम्र में उसने एक महिला को बाइक चलाते हुए देखा था। इस दृश्य ने उसे बहुत प्रभावित किया।

नौ साल की उम्र में उसके पिता ने एक वन वे यानी एक तरफा रास्ते पर शॉर्टकट लिया और एक कार चला रही महिला उनके सामने आ गई। भले ही यह उनकी अपनी ही गलती थी, लेकिन वह 'महिला ड्राइवर!' कहकर भुनभुनाने लगे। दीया यह कभी नहीं भूल पाई।

८ साल

९ साल

जब वह ग्यारह साल की हुई तो उसने एक हवाई जहाज़ में सफर किया, जिसे दो महिला पायलट उड़ा रहे थे। वह उड़ान के बाद उनसे मिलने का इंतज़ार करने लगी और साथ ही उनके साथ फोटो खिंचवाने का भी!

११ साल

बारह साल की उम्र तक वह अपनी सोसायटी की सबसे बेहतरीन साइकिल चालक बन गई थी। उसने कई दौड़ें भी जीतीं।

अब दिव्या चौदह साल की है। उसने तय किया है कि वह पायलट बनेगी। पर पहले वह मोटरबाइक चलाना चाहती है।

दिया ने अपने दोस्त शायन को अपनी पसंद की बाइक चलाने के बारे में बताया।
“लड़कियाँ मोटरबाइक नहीं चलातीं। तुमने अभी तक कितनी लड़कियों को देखा है जो बाइक चलाती हैं,” शायन ने कहा।
“बहुत सी लड़कियाँ हैं जो बाइक चलाती हैं, तुम्हें बस उनके बारे में पता नहीं है।”

दिया अपनी अम्मा और अप्पा को अपने बाइक चलाने के शौक के बारे में बताती रहती है।

“अप्पा क्या आपको पता है कि बाइक चलाना स्कूटर चलाने से ज़्यादा सुरक्षित है?”

“अम्मा क्या आपने वह लेख पढ़ा जो मैंने आपको भेजा था? भारत में अट्ठारह महिला बाइक चालक समूह हैं! समूह के सदस्य साथ मिलकर हर साल लम्बी यात्राएँ करते हैं। मैं भी उनके साथ जाना चाहती हूँ।”

“शायन ने मुझे बताया कि उसके चचेरे भाई ने मोटरसाइकिल चलाते हुए दिल्ली से बेंगलूरु तक का सफर तय किया है। कितना अद्भुत है न!”

“दिया अगर तुम इसका आधा समय भी गणित के अभ्यास में लगाओ तो तुम अपने टेस्ट में इससे बहुत बेहतर कर सकती हो। जाओ अपने स्कूल की पढ़ाई करो,” अप्पा ने कहा।

दिया अपने स्कूल की पढ़ाई कर रही थी तभी अम्मा एक किताब लेकर उसके पास आई।

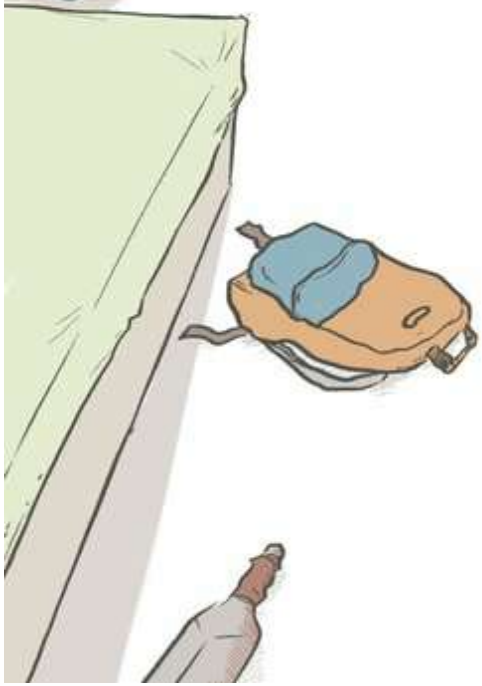

“यह क्या है अम्मा?”
“यह तब की फोटो एलबम है जब मैं कॉलेज में पढ़ती थी।”

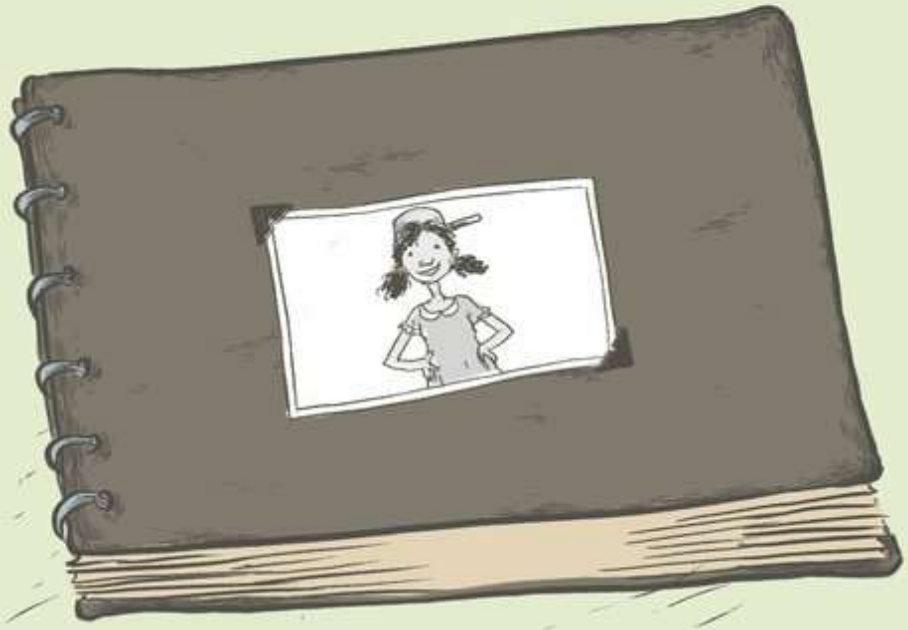

फोटो देखते हुए दिया बहुत उत्साहित हो गई।
“क्या मोटरबाइक पर यह अनीता चित्ती हैं?” उसने पूछा।

अनीता चित्ती मुंम्बई में रहती थी। वह अम्मा की पक्की सहेली और दिया की पसंदीदा चित्ती थी।

“हाँ, यह वही हैं और यह उनकी बाइक थी, सिर्फ कुछ हफ़्तों के लिए उनके पास रही। जब-जब अनीता कक्षा में नहीं होती थी तब-तब वह शहर में बाइक पर घूमते हुए समय बिताती थी। मुझे यह बात पता नहीं थी कि वह भी अपने दोस्त से बाइक चलाना सीख रही है।”

“उनके पास यामहा मोटरसाइकिल थी। बड़ी मज़ेदार बात है! लेकिन उनके पास यह बाइक सिर्फ़ कुछ हफ़्तों के लिए क्यों रही?”

“उन्होंने अपने पापा से कॉलेज आने-जाने के लिए और खाली समय में कुछ काम करने के लिए एक दुपहिया लेने के लिए पूछा, तो उन्होंने पैसे भेज दिये। उन्होंने सोचा होगा कि वह स्कूटर लेंगी।”

“पर उन्होंने यह यामहा बाइक खरीद ली थी!”

दिया चकित थी साथ ही वह यह भी समझ गई थी कि उसकी अम्मा ने अब तक उसे यह सब क्यों नहीं बताया था। “जब चित्ती के पापा को इसका पता चला तो वह बड़े नाराज़ हुए। उन्होंने कहा कि या तो वह मोटरसाइकिल तुरन्त बेच दें वरना उन्हें कॉलेज छोड़कर वापस घर आना होगा। इसलिए अनीता को इसे बेचना पड़ा। इससे वह बहुत दुखी हुई थी।” “मैं समझ सकती हूँ,” दिया ने कहा।

“मुझे पता है यह फोटो तुम्हें पसंद आएगी,” अम्मा ने कहा।

अगले कुछ हफ़्तों तक दिया अनीता चित्ती और उनके यामहा के बारे में सोचती रही।
उसने अम्मा से पूछा कि क्या वह अनीता चित्ती से बात कर सकती है?
दिया ने फोन किया तो फराह आंटी ने फोन उठाया। “नमस्ते आंटी, मैं दिया बोल रही हूँ। आप कैसी हैं? क्या अनीता चित्ती वहाँ पर हैं?”
“नमस्ते दिया! रुको मैं अनीता को फोन देती हूँ।”
दिया सीधा अपने मुद्दे पर आ गई। “अनीता चित्ती अम्मा ने मुझे आपके यामहा बाइक की फोटो दिखाई, मुझे बड़ी अच्छी लगी!”

अनीता चित्ती को जवाब देने में कुछ समय लगा। “ओह, तुम्हारी माँ के पास अभी भी वो फोटो है!”
“चित्ती मुझे तो इस बारे में पता ही नहीं था। मुझे मोटरबाइक बहुत पसंद है पर अप्पा को लगता है कि मुझे यह नहीं चलाना चाहिए। उनको लगता है कि बाइक लड़कियों के लिए नहीं है। लोग कहते हैं महिलाओं को गाड़ी नहीं चलानी चाहिए। मुझे यह सब बहुत परेशान करता है।” दिया ने कहा।
“क्या आप मुझे सिखायेंगी?” दिया ने झिझगते हुए पूछा। अम्मा सब सुन रही थी और आश्चर्य की बात है कि वह मुस्कुरा रही थी।

अनीता चित्ती चकित रह गई। “दिया इसके लिए पहले तुम्हें सीखने का लाइसेंस बनवाना होगा और वह तभी बन सकेगा जब तुम सोलह साल की हो जाओगी।”

“अगले साल मैं सोलह साल की हो जाऊँगी पर मैं आपसे सीखना चाहती हूँ। क्या आप मुझे सिखाएँगी?”

“इसके लिए पहले मुझे तुम्हारे माता-पिता से बात करनी होगी...”

दिया ने आशापूर्ण नज़रों से अम्मा की तरफ़ देखा। अम्मा ने हाँ में सिर हिलाया। “अम्मा ने हाँ कहा है! और अप्पा को मैं बाद में बता दूँगी जैसे आपने किया था,” उसने कहा।

“नहीं, नहीं, तुम्हें कहने की ज़रूरत नहीं है। मैं तुम्हारी अम्मा से बात करती हूँ और फिर हम देखते है कि तुम्हारे अप्पा को कैसे मनाना है।”

“आप कितनी अच्छी हैं चित्ती!”

“मैं जानती हूँ तुम्हारे अप्पा क्यों चिंतित हैं। तुम्हें याद रखना होगा कि एक व्यक्ति और बाइक चालक के रूप में सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि सुरक्षा और समझदारी से काम लें। बाइक चलाना मज़ेदार है लेकिन यह अधिक मायने रखता है कि आप किस तरह के चालक हैं न कि यह कि आप कितनी तेज़ बाइक चलाते हैं।”

उस रात दिया अपने कमरे से अम्मा और अप्पा की बात सुनती है।

“तुमने उसे वो फोटो क्यों दिखाए? अब वह उसे नहीं छोड़ेगी,” अप्पा ने कहा।

“वह आत्मनिर्भर बनना चाहती है। क्या यह अच्छी बात नहीं है?” अम्मा ने जवाब दिया।

“वह बस से भी तो आ-जा सकती है, मोटरबाइक की क्या ज़रूरत है? बाइक चलाना सुरक्षित नहीं है!”

“आपने राहुल को सीखने का लाइसेंस मिलने पर तो बहुत उत्साहित होकर मुबारकबाद दी थी,
फिर अब यह दोहरा मापदंड क्यों?”

दिया उदास हो गई। अप्पा कभी नहीं समझेंगे।

अगली शाम शायन और दिया हमेशा की तरह क्रिकेट के मैदान से घर की तरफ अपनी साइकिलों पर भागे। शायन रेस जीतने पर इस कदर आमादा था कि गली में एक छोटा बच्चा उससे बाल-बाल बचा।

“मैं साइकिल में भी जीत गया! देखा मैं तुमसे तेज़ हूँ,” शायन ने कहा।
“क्या कर रहे हो तुम? उस छोटे बच्चे को चोट लग जाती अभी,” दिया ने कहा और इस बात से अनजान कि अप्पा उसे ऊपर से देख रहे हैं, वह उस बच्चे का हाल जानने रुक गई।

उस शाम अप्पा ने अनीता चित्ती को फोन किया।

कुछ दिनों के बाद अप्पा दिया के कमरे में आए, वह उस समय कंप्यूटर पर कुछ खेल रही थी।

“मैंने सुना कि तुमने अनीता को फोन किया था।”

दिया उदास हो गई।

“मान जाइए न अप्पा! चित्ती ने कहा है कि वह मुझे सिखाएँगी तो सुरक्षित रहेगा। मैंने इसके लिए बचत करना भी शुरू कर दिया है। और वैसे भी बाइक स्कूटर से ज़्यादा सुरक्षित है। उसके पहिए भी ज़्यादा चौड़े होते हैं...”

“अच्छा तो तुम्हें बाइक के बारे में इतनी सारी बातें पता है पर तुम्हें हेलमेट के बारे में कितना पता है?” अप्पा ने पूछा।

दिया असमंजस में पड़ गई।

“सुरक्षित रहने के लिए तुम्हें सबसे पहले एक हेलमेट खरीदना पड़ेगा,” अप्पा ने कहा।

“आपका मतलब है चित्ती मुझे सिखा सकती हैं?”

“हाँ, अगर तुम सीखना ही चाहती हो तो अगले साल मुम्बई जाकर सीख लेना।”

“अप्पा आप बहुत अच्छे हैं!” दिया ने अप्पा को गले लगा लिया।

“लेकिन एक शर्त है, तुम जब पायलट बन जाओगी तो मुझे हर जगह घुमाओगी।”

“मुझे भी,” अम्मा ने कहा।

“हाँ ज़रूर, पर उससे पहले मोटरसाइकिल पर घुमाउँगी,” दिया ने कहा।

दुनिया की प्रमुख महिला बाइक चालक :

एनी लंडनडेरि संयुक्त राज्य अमेरिका की एक लातवियाई अप्रवासी थीं, जो सन 1894-95 (१८९४-९५) में दुनिया भर में साइकिल चलाने वाली पहली महिला बनीं।

अमेरिकी नागरिक अधिकार नेता **सुज़ैन बी एंथोनी** ने सन 1896 (१८९६) में लिखा था, "मुझे लगता है कि साइकिल ने महिलाओं को मुक्ति दिलाने में दुनिया के किसी भी चीज़ से अधिक काम किया है। यह महिलाओं को स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता की भावना देता है।"

सन 1930 (१९३०) के दशक (नागरिक अधिकार आंदोलन से पहले) में एक अफ्रीकी-अमेरिकी महिला मोटरसाइकिल चालक **बेसी स्ट्रिंगफील्ड** ने अनगिनत बार अमेरिका में दौड़ लगाई और यहाँ तक कि पुरुषों की मोटरसाइकिल दौड़ में भी प्रवेश किया (जब उन्हें पता चला कि वह एक महिला थी तो उन्हें पुरस्कार देने से इनकार कर दिया गया।)।

वास्तुकार और मोटरसाइकिल चालक **एल्सपेथ बेयर्ड** को सन 1982-84 (१९८२-८४) के बीच मोटरसाइकिल पर दुनिया का चक्कर लगाने वाली महिलाओं में सर्व प्रथम माना जाता है।

रोशनी शर्मा कन्याकुमारी से कश्मीर तक मोटरसाइकिल चलाने वाली पहली भारतीय महिला हैं, जिन्होंने सन 2014 (२०१४) में यह उपलब्धि हासिल की।

सन 2018 (२०१८) में, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की **सीमा भवानी या बॉर्डर ब्रेवहार्ट्स** से जुड़े सभी महिला बाइक चालक पहली बार भारतीय गणतंत्र दिवस परेड का हिस्सा बने!

PRATHAM BOOKS storyweaver

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Story Attribution:

This story: मैं मोटरसाइकिल चलाऊँगी is translated by Sandhya . The © for this translation lies with Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: 'I Want to Ride a Motorbike', by Aarthi Parthasarathy . © Pratham Books , 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Other Credits:

'Main Motorcycle Chlaunge' has been published on StoryWeaver by Pratham Books. www.prathambooks.org. Guest Art Director: Aindri C.

Images Attributions:

Cover page: Girl looking at a photo album, by Rai © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: A girl rides a motorbike through time, by Rai © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: Girl on top of a cloud, reading, by Rai © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: Children on the grass, talking, by Rai © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: A family eats dinner, by Rai © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: A girl studying in her room, by Rai © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: A photoalbum, by Rai © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: A girl listening to her mother against a backdrop of a road, by Rai © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: Two people talking over the phone, by Rai © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: Two people talking over the phone still, by Rai © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

PRATHAM BOOKS storyweaver

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Images Attributions:

Page 11: A girl sitting on her bed, bored, by Rai © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 12: A girl riding a bicycle on the road, by Rai © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 13: A father talking to his daughter, by Rai © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 14: A group of four women on bikes, by Rai © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 15: A woman on a motorbike, by Rai © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

मैं मोटरसाइकिल चलाऊँगी

(Hindi)

दिया बाइक चलाने को लेकर बहुत उत्सुक है। वह बाइक चलाने के लिए १६ साल की होने का इंतज़ार नहीं कर सकती ख़ास तौर पर तब जबकि उसे पता है कि उसकी चित्ती बाइक चालाती हैं। चलिए पढ़ते हैं ख़ुद की पहचान बनाने और चुनने की आज़ादी पर आधारित एक सुन्दर कहानी!

This is a Level 4 book for children who can read fluently and with confidence.

PRATHAM BOOKS storyweaver

Pratham Books goes digital to weave a whole new chapter in the realm of multilingual children's stories. Knitting together children, authors, illustrators and publishers. Folding in teachers, and translators. To create a rich fabric of openly licensed multilingual stories for the children of India and the world. Our unique online platform, StoryWeaver, is a playground where children, parents, teachers and librarians can get creative. Come, start weaving today, and help us get a book in every child's hand!